रॉबर्ट ई. ली

की सचित्र कथा

लेखन: डेविड ए. एडलर

चित्र: जॉन तथा एलैक्जैन्ड्रा वॉलनर

भाषान्तर: पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

बॉबी लैसन के लिए

-डी. ए.

रॉब लेहमैन के लिए

जो दक्षिण के एक और भद्रपुरुष हैं

-ए. डब्ल्यू तथा जे. डब्ल्यू
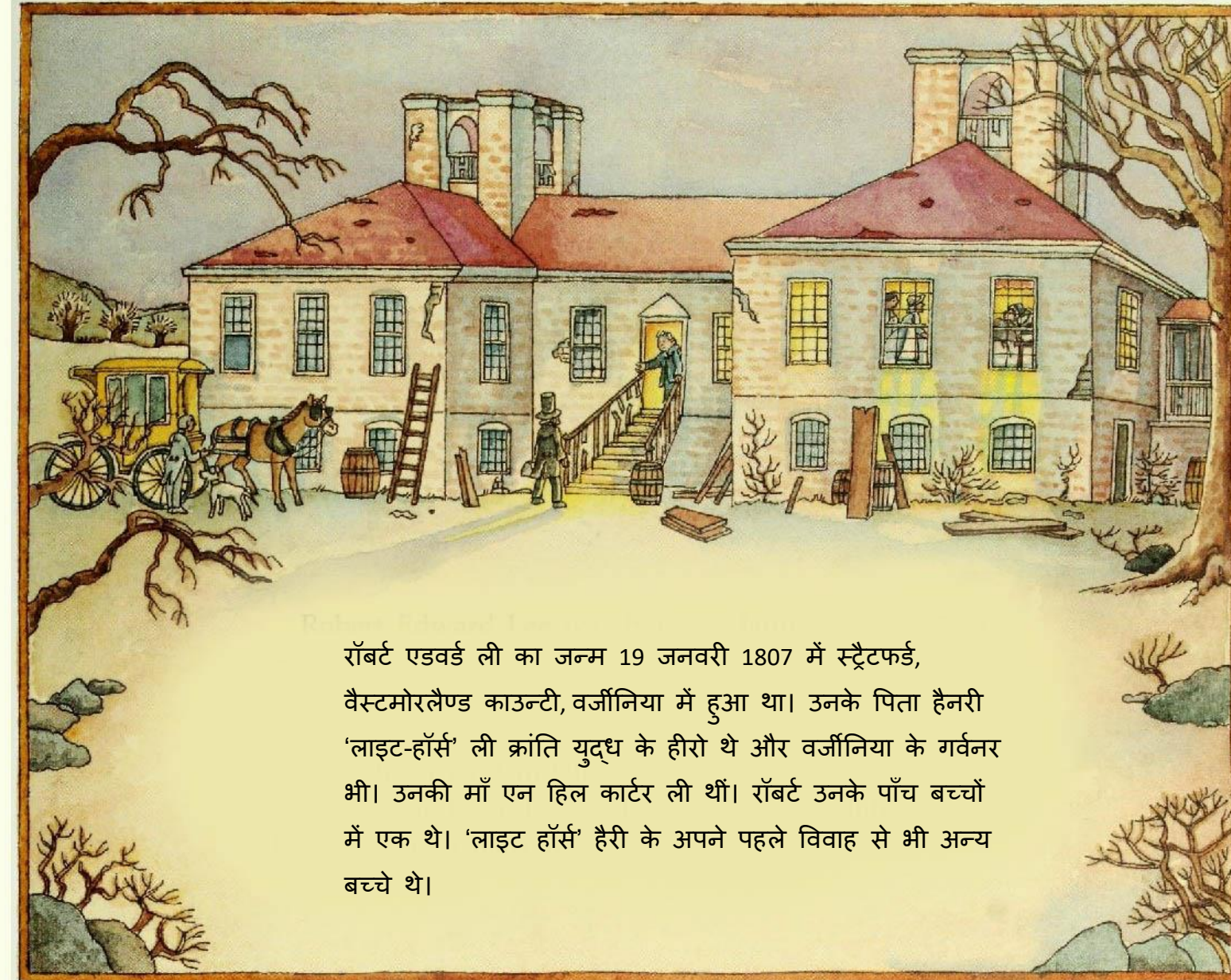
रॉबर्ट एडवर्ड ली का जन्म 19 जनवरी 1807 में स्ट्रैटफर्ड, वैस्टमोरलैण्ड काउन्टी, वर्जीनिया में हुआ था। उनके पिता हैनरी 'लाइट-हॉर्स' ली क्रांति युद्ध के हीरो थे और वर्जीनिया के गर्वनर भी। उनकी माँ एन हिल कार्टर ली थीं। रॉबर्ट उनके पाँच बच्चों में एक थे। 'लाइट हॉर्स' हैरी के अपने पहले विवाह से भी अन्य बच्चे थे।

रॉबर्ट के पिता ने एक ज़मीन सौदे में पैसे गंवा दिए थे। सो जब रॉबर्ट पैदा हुए, उनका बड़े घर स्ट्रैटफर्ड का बागान बेतरतीब था और परिवार का फर्नीचर बिक चुका था। 1819 में 'लाइट-हॉर्स' ली इस कदर कर्ज़ में डूबे कि उन्हें वैटमोरलैण्ड काउन्टी जेल में कैद कर लिया गया। साल भर बाद जब वे जेल से रिहा हुए स्ट्रैटफर्ड का वह घर उनका नहीं रहा। उन्हें और उनके परिवार को एलैक्ज़ैन्ड्रिया, वर्जीनिया में एक किराए के मकान में रहने जाना पड़ा।

1812 में हैनरी ली घायल हुए। अगले साल अपनी सेहत सुधारने के लिए वे ब्रिटिश वैस्ट इन्डीज़ गए।

जिस समय पिता गए, रॉबर्ट की उम्र सिर्फ़ छह वर्ष की थी। घर लिखे एक पत्र में 'लाइट-हॉर्स' हैरी ने अपने बेटे रॉबर्ट के बारे में लिखा, "वह हमेशा से एक अच्छा बच्चा रहा है।" उनका मानना था कि रॉबर्ट अपनी "सदय और स्नेहिल माँ की देखरेख में खुश रहेगा।"
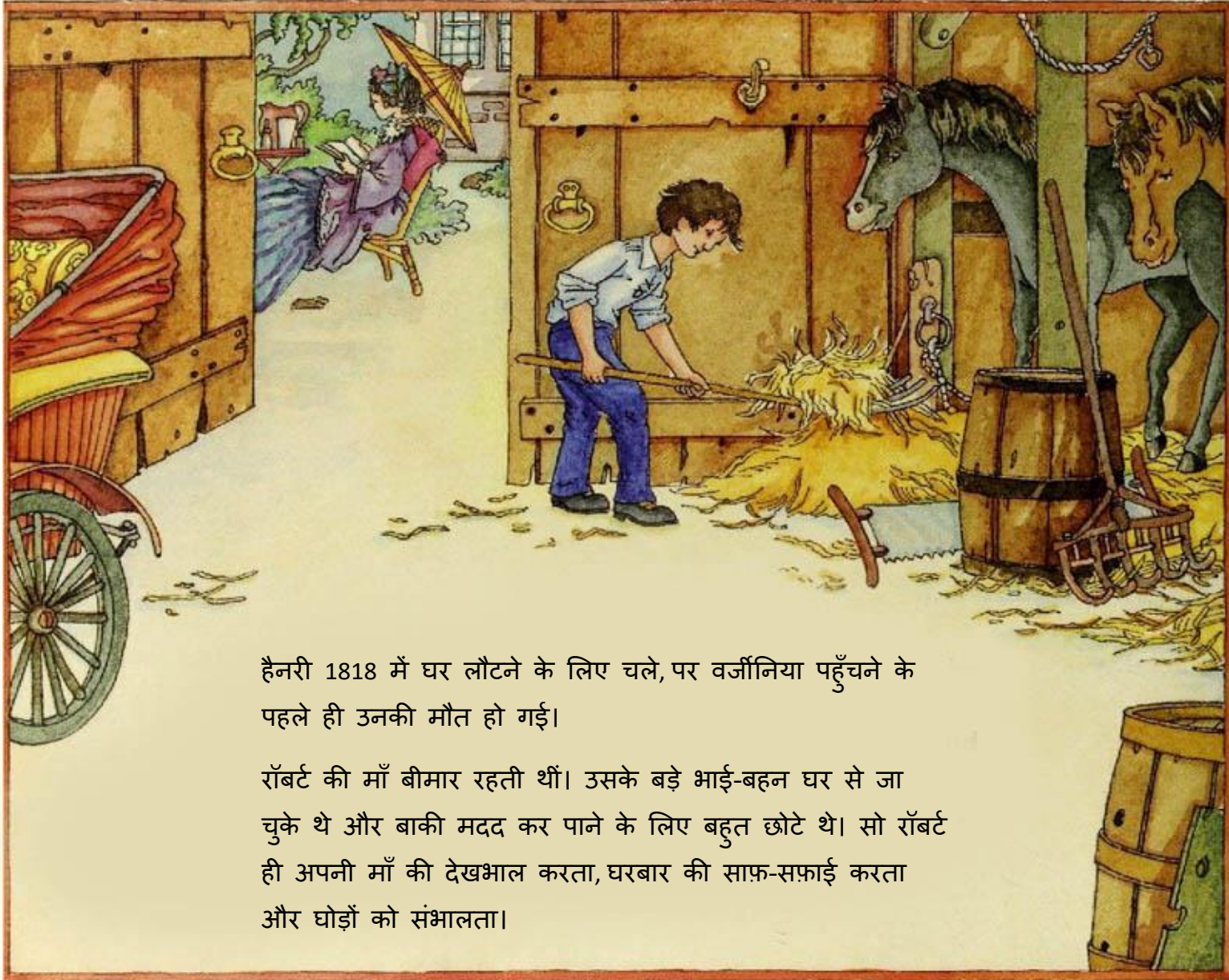
हैनरी 1818 में घर लौटने के लिए चले, पर वर्जीनिया पहुँचने के पहले ही उनकी मौत हो गई।

रॉबर्ट की माँ बीमार रहती थीं। उसके बड़े भाई-बहन घर से जा चुके थे और बाकी मदद कर पाने के लिए बहुत छोटे थे। सो रॉबर्ट ही अपनी माँ की देखभाल करता, घरबार की साफ़-सफ़ाई करता और घोड़ों को संभालता।
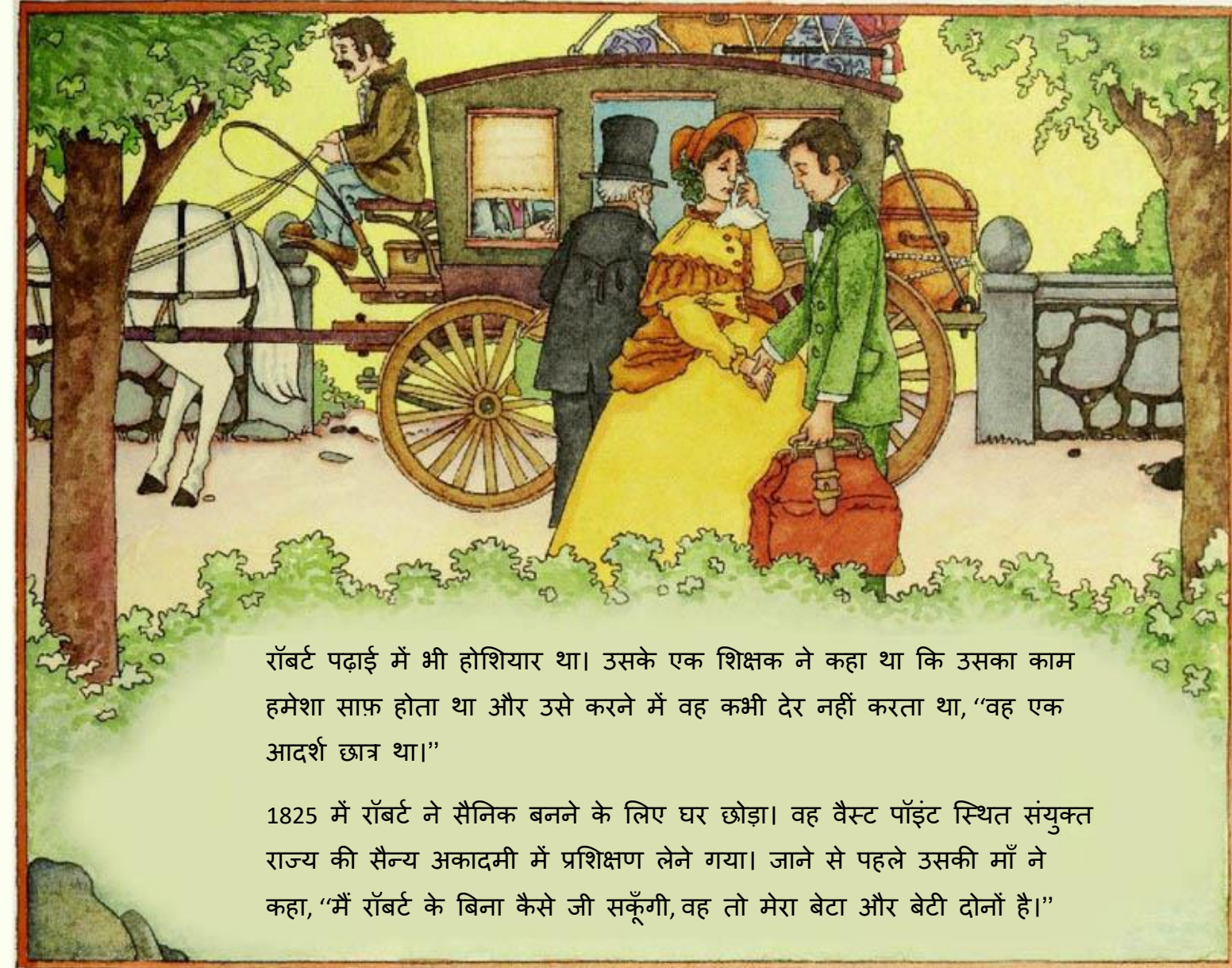
रॉबर्ट पढ़ाई में भी होशियार था। उसके एक शिक्षक ने कहा था कि उसका काम हमेशा साफ़ होता था और उसे करने में वह कभी देर नहीं करता था, "वह एक आदर्श छात्र था।"

1825 में रॉबर्ट ने सैनिक बनने के लिए घर छोड़ा। वह वैस्ट पॉइंट स्थित संयुक्त राज्य की सैन्य अकादमी में प्रशिक्षण लेने गया। जाने से पहले उसकी माँ ने कहा, "मैं रॉबर्ट के बिना कैसे जी सकूँगी, वह तो मेरा बेटा और बेटी दोनों है।"

वैस्ट पॉइंट में रॉबर्ट का पसन्दीदा विषय 'इंजीनियरिंग' था। पर दूसरे विषयों भी उसका प्रदर्शन उम्दा था। सत्यासी प्रशिक्षुओं की कक्षा में रॉबर्ट ने दूसरा स्थान पाया और संयुक्त राज्य की सेना में लैफ्टिनैन्ट बना।

रॉबर्ट 1827 में घर लौटा और माँ को बेहद बीमार पाया। अगले कुछ सप्ताह रॉबर्ट ने माँ की देखभाल करते बिताए, जब तक उनका देहान्त न हो गया।
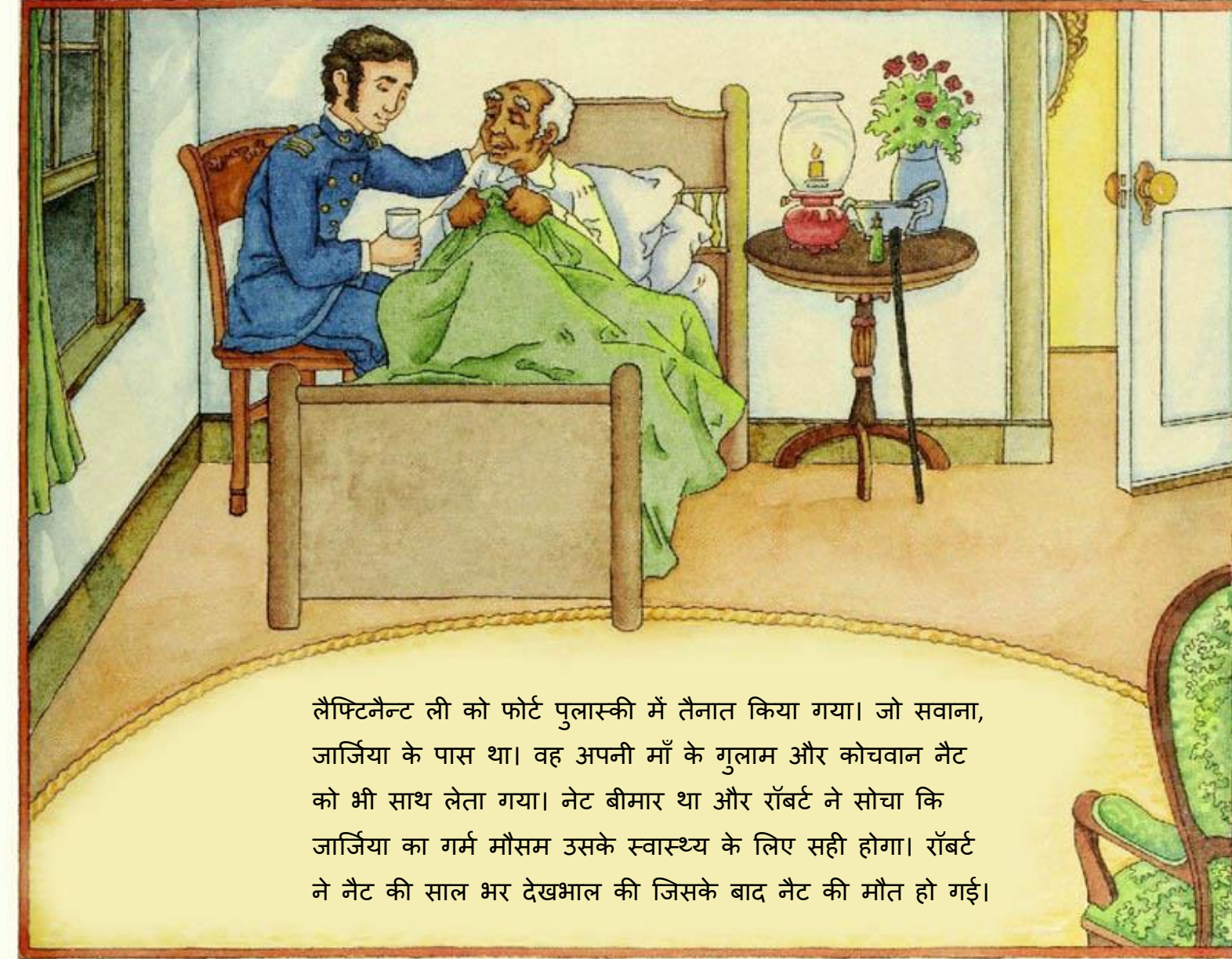
लैफ्टिनैन्ट ली को फोर्ट पुलास्की में तैनात किया गया। जो सवाना, जार्जिया के पास था। वह अपनी माँ के गुलाम और कोचवान नैट को भी साथ लेता गया। नैट बीमार था और रॉबर्ट ने सोचा कि जार्जिया का गर्म मौसम उसके स्वास्थ्य के लिए सही होगा। रॉबर्ट ने नैट की साल भर देखभाल की जिसके बाद नैट की मौत हो गई।

1831 में रॉबर्ट को वर्जीनिया के फोर्ट मनरो में तैनात किया गया, जो मेरी एन रैन्डॉल्फ कस्टिस के घर के पास था। मेरी, रॉबर्ट की दूर की रिश्तेदार थी और दोनों बचपन से एक-दूसरे को जानते थे। मेरी मार्था वाशिंगटन की पड़पोती थी। दोनों को एक दूसरे से मुहब्बत हो गई। 30 जून 1831 को दोनों का विवाह कस्टिस के आर्लिंगटन, वर्जीनिया स्थित पारिवारिक घर में सम्पन्न हुआ।
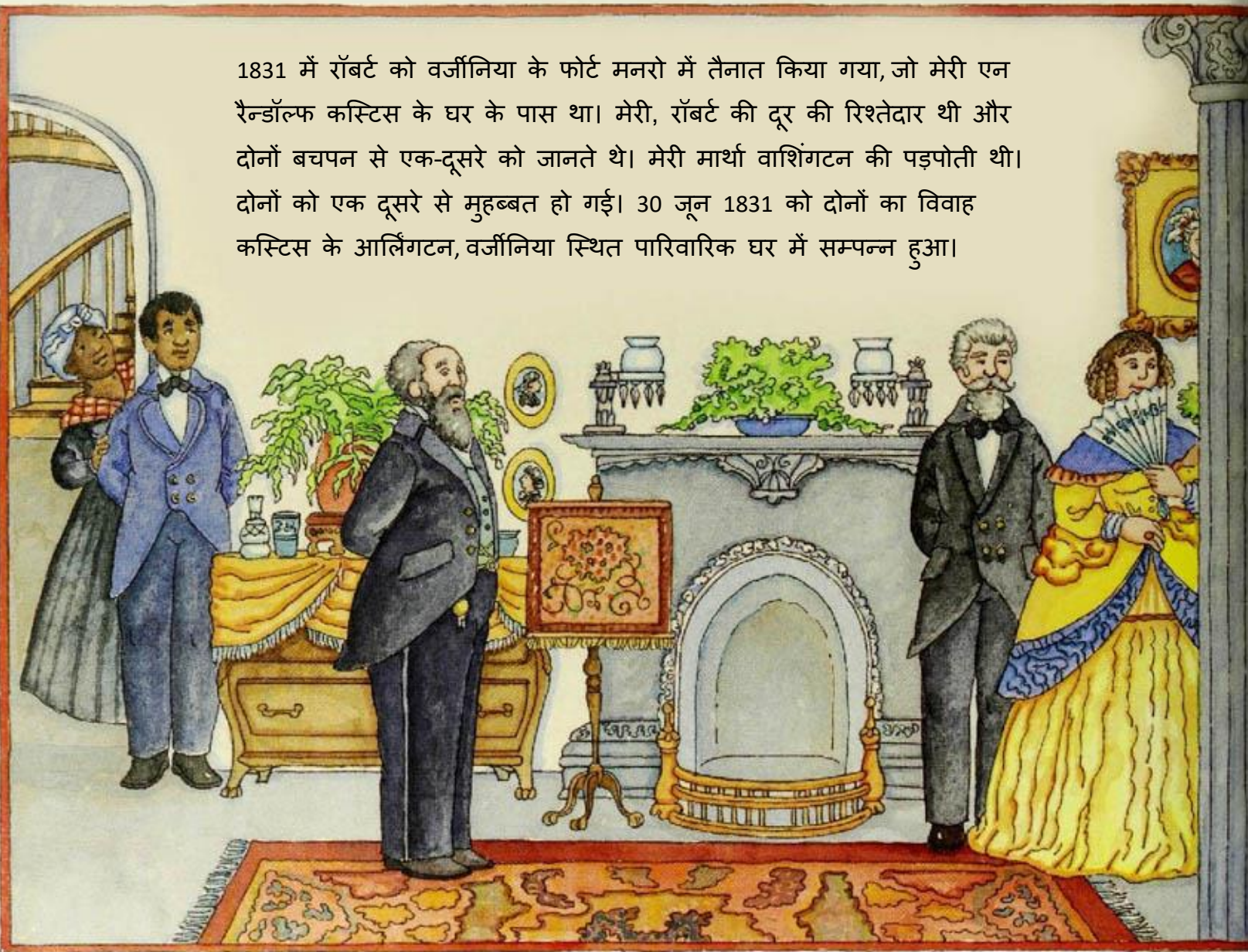
दोनों का वैवाहिक जीवन सुखी था, हालांकि सेना में होने के कारण रॉबर्ट को लम्बे समय तक घर से दूर रहना पड़ता था। रॉबर्ट और मेरी के सात बच्चे हुएः कस्टिस, मेरी, विलियम, एनी, एग्नस, रॉबर्ट जूनियर और मिल्डरेड।
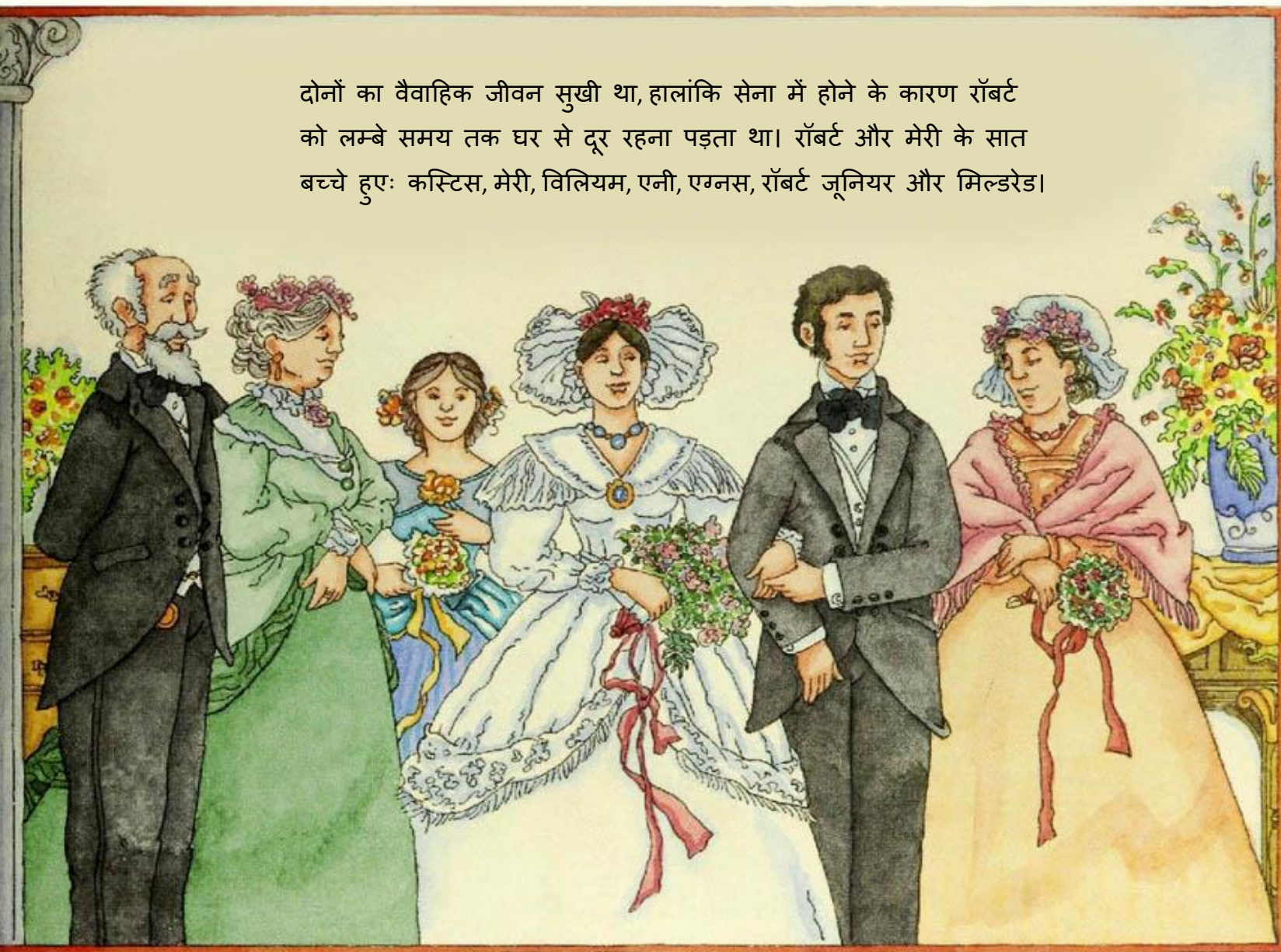
1837 में सेना ने रॉबर्टको सेंट लूइस, मिसूरी भेजा गया, जहाँ उन्होंने मिसिसिपी नदी पर एक बाँध बनवाया ताकि शहर को बाढ़ से बचाया जा सके। इसके बाद उन्हें न्यू यॉर्क शहर भेजा गया, जहाँ उन्होंने उन गढ़ों की मरम्मत करवाई जो घाट की रखवाली के लिए बने थे। 1846 में संयुक्त राज्य ने मैक्सिको से जंग का ऐलान किया। सो रॉबर्ट को पहले सान एन्टोनियो और तब मैक्सिको भेजा गया।
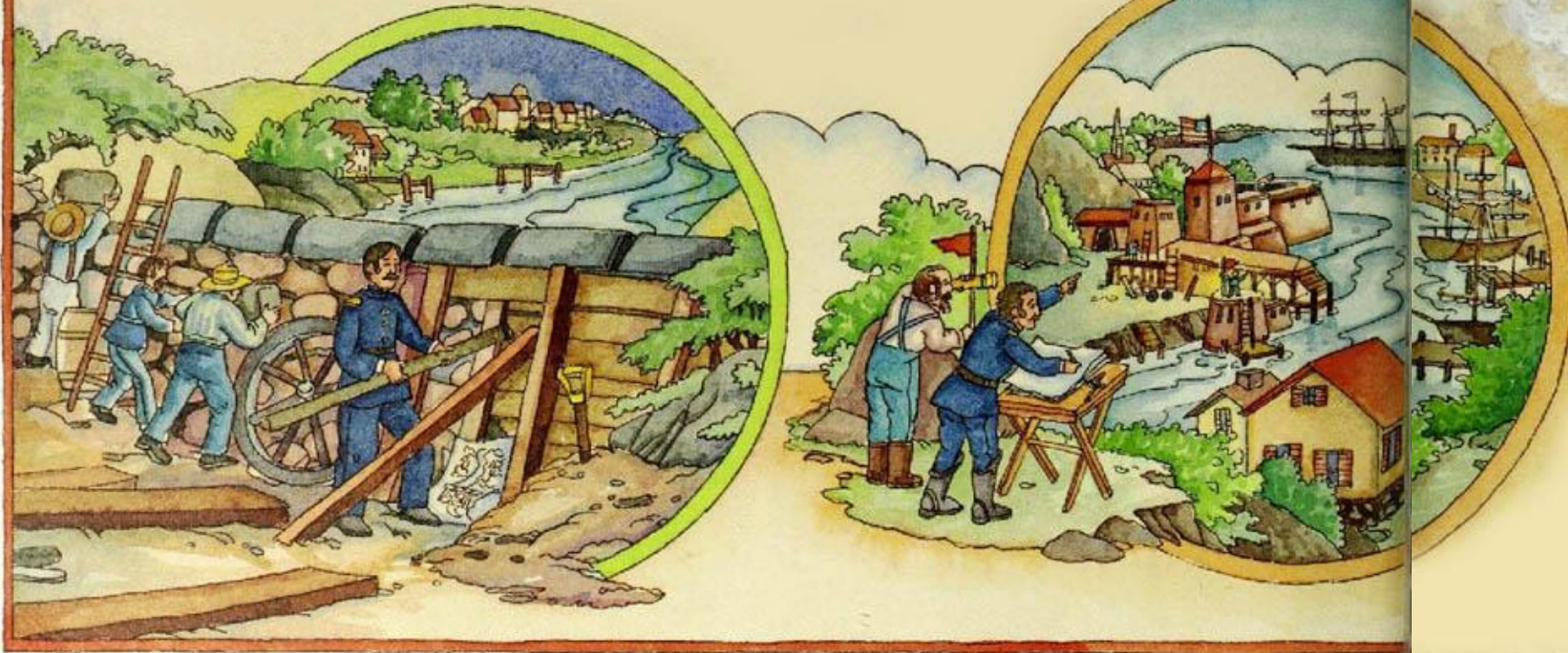
मैक्सिको में रॉबर्ट ई. ली को खोजी का काम सौंपा गया, जो दुश्मन के इलाके में घुसपैठ कर जानकारी बटोरता है। उन्होंने इस जंग के दौरान अपनी देखरेख में पुलों का निर्माण करवाया जो जंग में काम आने वाली भारी बन्दूकों का भार वहन कर सकें। वैराक्रूज़ की जंग में उन्होंने युद्ध योजना बनाने में मदद की। वे सांता गोर्डो और मैक्सिको की लड़ाइयों में भी शामिल रहे। एक बार तो वे लगातार छत्तीस घंटों तक अपने घोड़े पर सवार हो लड़ते रहे।

जंग खत्म होने पर संयुक्त राज्य के प्रधान सेनापति ने ली को "अमरीका की सबसे विलक्षण सैन्य प्रतिभा कहा।"
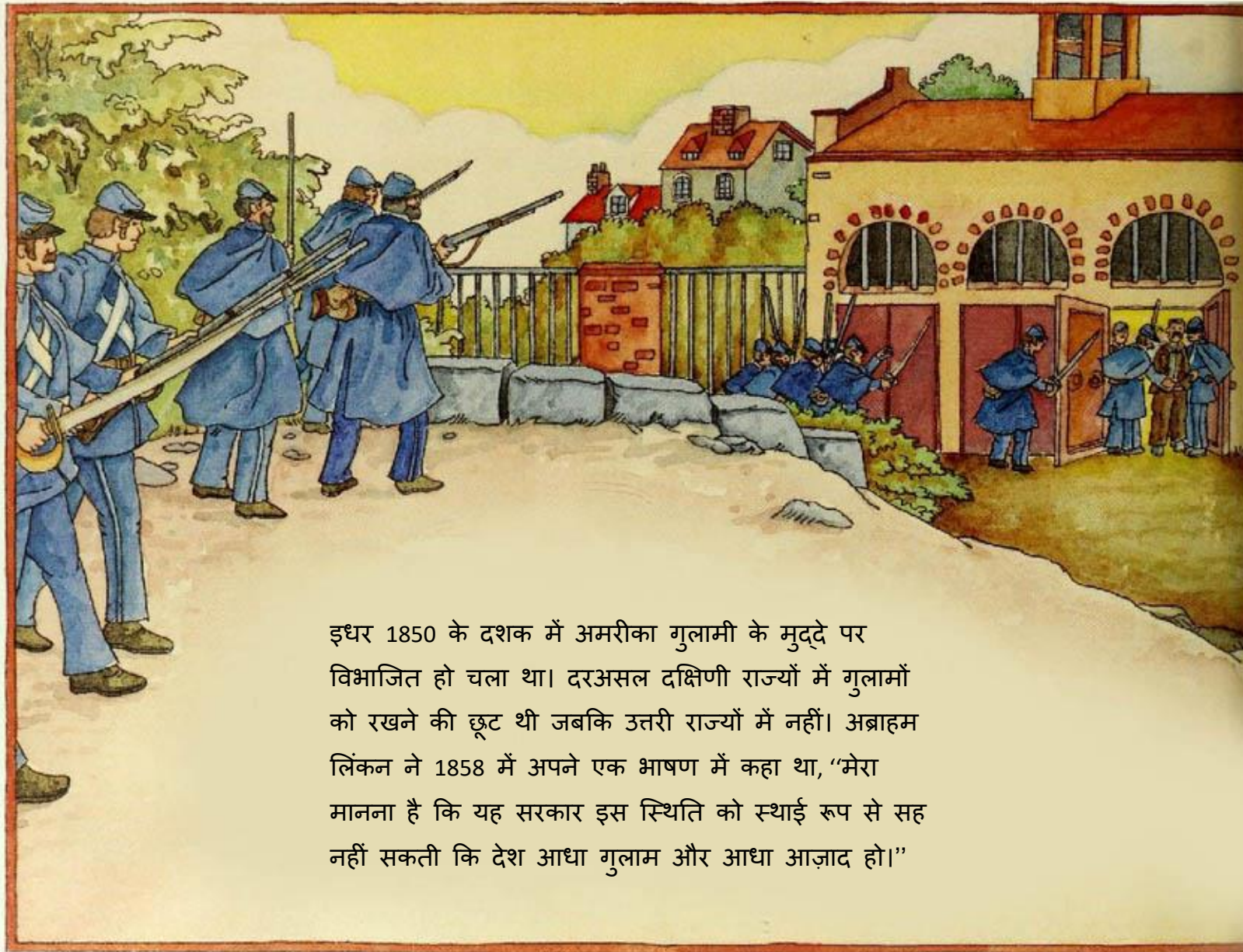
रॉबर्ट ई. ली एक उम्दा सैनिक ज़रूर थे पर उन्हें जंग से नफ़रत थी। घर में लिखे एक पत्र में उन्होंने सेना की बन्दूकों से निकलती गोलियों के बारे में लिखा - "अपनी उड़ान में वे कितनी सुन्दर और गिरते समय किस कदर नाशक हैं।" उन्होंने युद्ध में मरने वाले सैनिकों के लिए लिखाः "यह सब कितना भयंकर था, मेरा दिल लहुलुहान है ... औरतों और बच्चों के बारे में सोचना कितना भयावह है।"

1852 में ली को वैस्ट पॉइंट स्थित संयुक्त राज्य सैन्य अकादमी का अधीक्षक नियुक्त किया गया। वहाँ उन्हें एक दृढ़ और सदय नेता माना जाता था, जो हरेक कैडैट (प्रशिक्षु) में रुचि लेता हो।

1855 में ली को लैफ्टिनैन्ट कर्नल का पद दिया गया और टैक्सस की सीमा पर भेजा गया ताकि वे वहाँ बसने वालों की रक्षा देशज लोगों के हमलों से कर सकें।
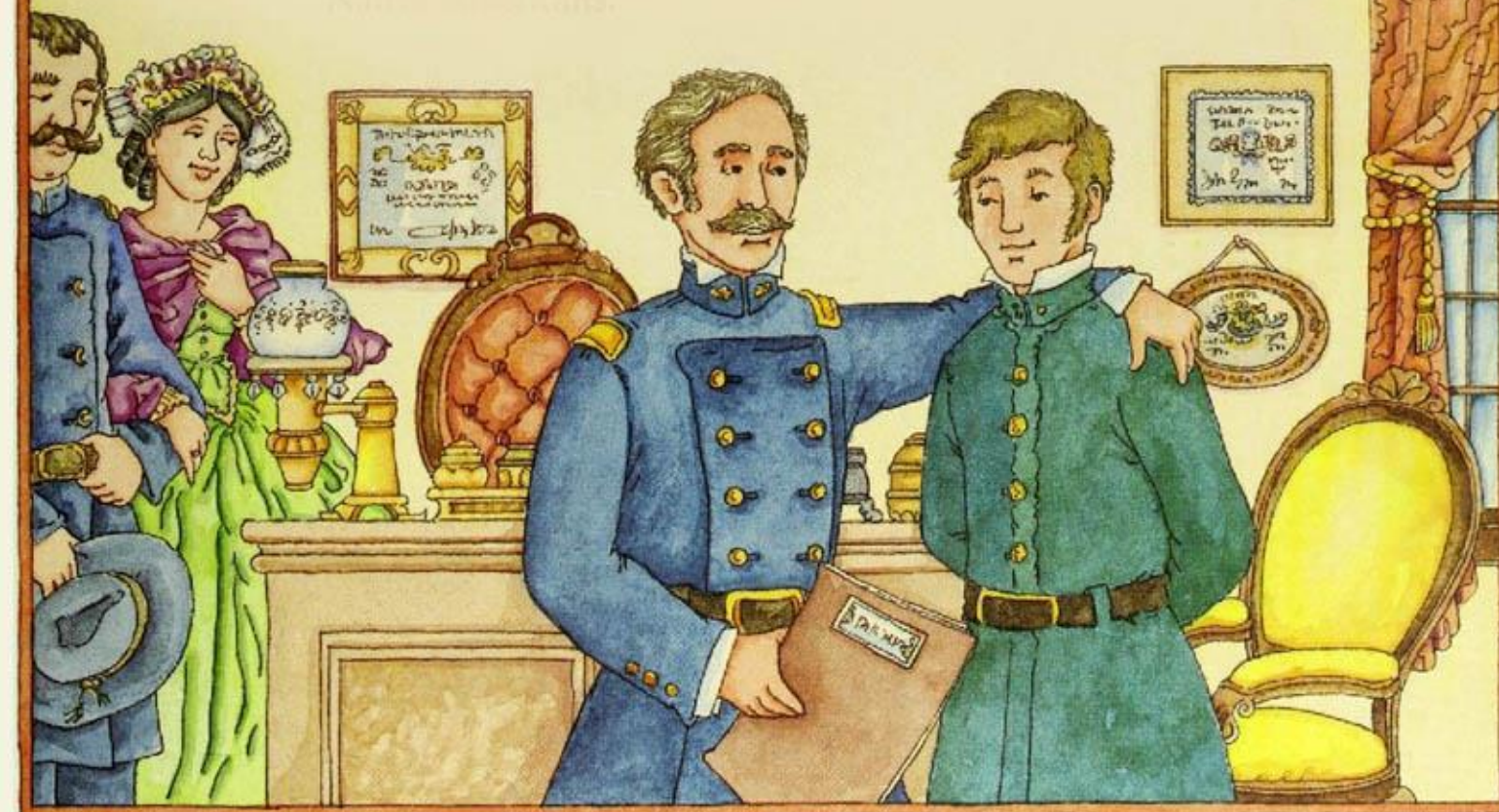
इधर 1850 के दशक में अमरीका गुलामी के मुद्दे पर विभाजित हो चला था। दरअसल दक्षिणी राज्यों में गुलामों को रखने की छूट थी जबकि उत्तरी राज्यों में नहीं। अब्राहम लिंकन ने 1858 में अपने एक भाषण में कहा था, "मेरा मानना है कि यह सरकार इस स्थिति को स्थाई रूप से सह नहीं सकती कि देश आधा गुलाम और आधा आज़ाद हो।"

रॉबर्ट ई. ली 1859 में वर्जीनिया में अपने घर थे, जब जॉन ब्राउन ने, जो एक अर्से से गुलामी के खिलाफ़त कर रहे थे, वर्जीनिया के हार्पर्स् फैरी के एक फ़ौजी हथियारखाने पर हमला किया। ब्राउन की उम्मीद थी कि वे इन हथियारो से गुलामों को आज़ाद कर सकेंगे। सेना ने कर्नल ली को हार्पर्स् फैरी भेजा। ली ने जॉन ब्राउन और उनके साथियों को गिरफ्तार करवाया।
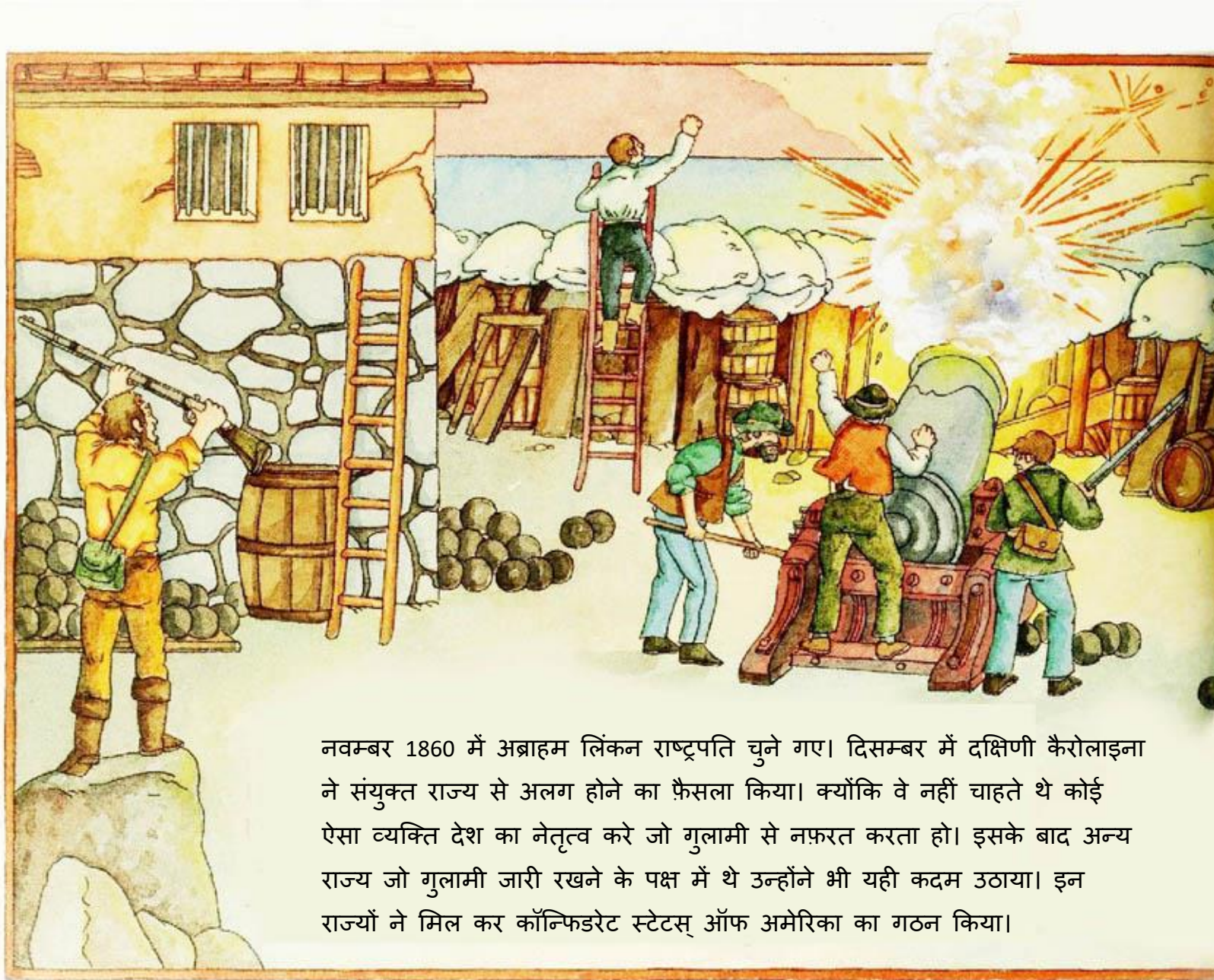
नवम्बर 1860 में अब्राहम लिंकन राष्ट्रपति चुने गए। दिसम्बर में दक्षिणी कैरोलाइना ने संयुक्त राज्य से अलग होने का फ़ैसला किया। क्योंकि वे नहीं चाहते थे कोई ऐसा व्यक्ति देश का नेतृत्व करे जो गुलामी से नफ़रत करता हो। इसके बाद अन्य राज्य जो गुलामी जारी रखने के पक्ष में थे उन्होंने भी यही कदम उठाया। इन राज्यों ने मिल कर कॉन्फिडरेट स्टेटस् ऑफ अमेरिका का गठन किया।
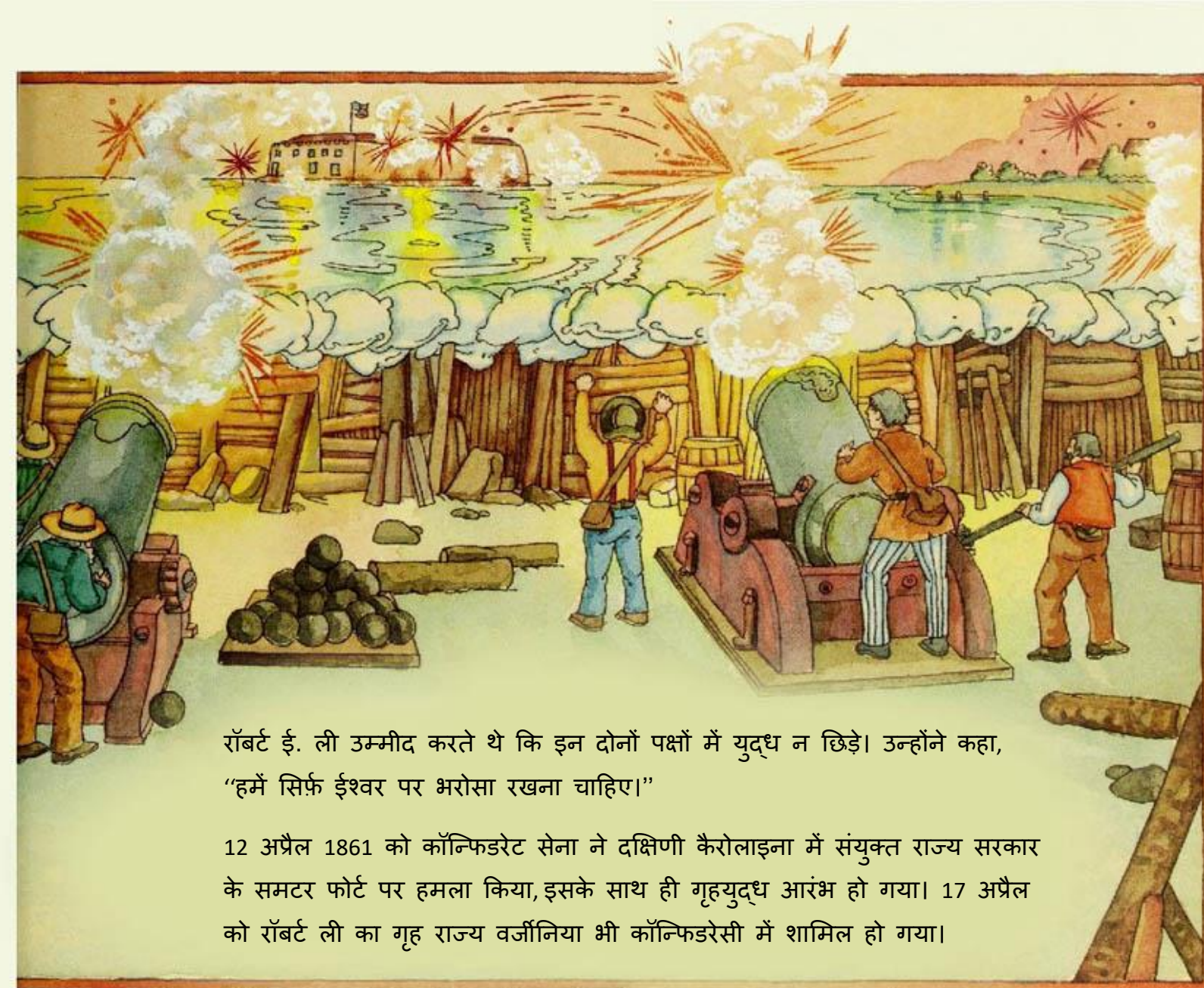
रॉबर्ट ई. ली उम्मीद करते थे कि इन दोनों पक्षों में युद्ध न छिड़े। उन्होंने कहा, “हमें सिर्फ़ ईश्वर पर भरोसा रखना चाहिए।”

12 अप्रैल 1861 को कॉन्फिडरेट सेना ने दक्षिणी कैरोलाइना में संयुक्त राज्य सरकार के समटर फोर्ट पर हमला किया, इसके साथ ही गृहयुद्ध आरंभ हो गया। 17 अप्रैल को रॉबर्ट ली का गृह राज्य वर्जीनिया भी कॉन्फिडरेसी में शामिल हो गया।

विद्रोही दक्षिणी राज्यों की संभावना मज़बूत नहीं थीं। कॉन्फिडरेसी में दक्षिण के केवल ग्यारह राज्य थे, जबकि संघ में उसकी तुलना में तेइस राज्य थे। उत्तर के संघीय राज्यों में अधिक लोग, सैनिक, हथियार, कारखाने, और रेलमार्ग थे।

रॉबर्ट ई. ली गुलामी को बुरा मानते थे। उन्होंने अपने सभी गुलामों को आज़ाद कर दिया था। उन्हें यह भी लगता था कि देश को एकजुट रहना चाहिए। इसके बावजूद उन्हें अब यह तय करना था कि वे संघ की सेना में बने रहेंगे या अपने गृह राज्य वर्जीनिया की सेना से जुड़ेंगे।

ली उत्तर और दक्षिण, दोनों ही जगहों पर एक भरोसेमन्द सैनिक के रुप में पहचाने जाते थे। राष्ट्रपति लिंकन ने गृह युद्ध उन्हें संघीय सेना का सेनापति चुना।
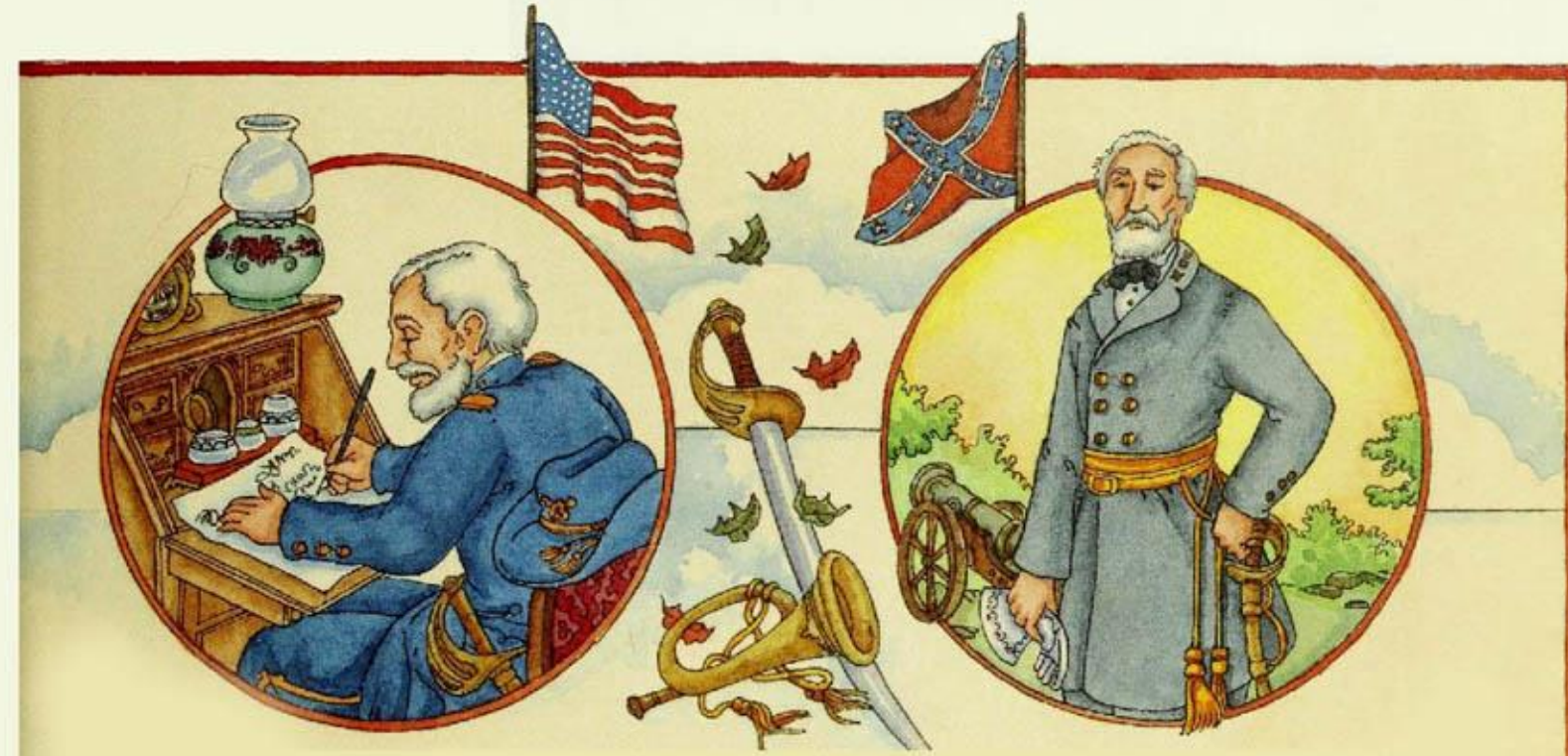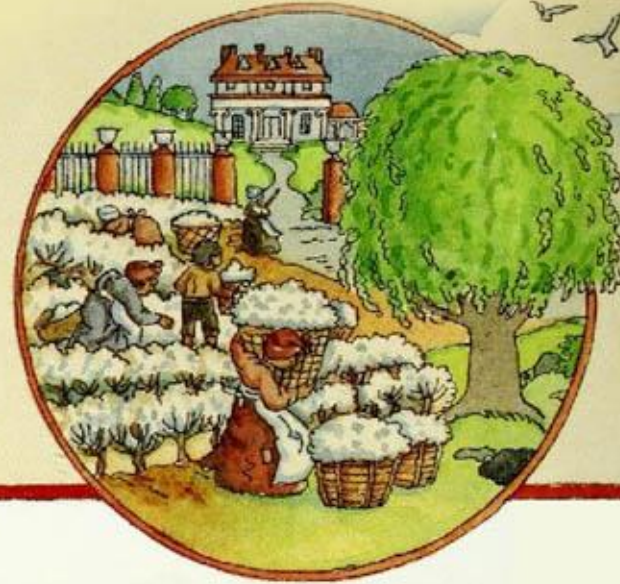
ली ने इस कार्यभार को नहीं स्वीकारा और संयुक्त राज्य की सेना से इस्तीफ़ा दे दिया। वे वर्जीनिया के निवासी थे। उन्होंने लिखा, "मैं अपने रिश्तेदारों, अपने बच्चों, अपने घर के विरुद्ध अपना हाथ उठाने का मन नहीं बना सका।"

22 अप्रेल 1861 को रॉबर्ट ई. ली को कॉन्फिडरेसी की राजधानी रिचमण्ड, वर्जीनिया की रक्षा करने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई। हमलावर संघीय सेना की उम्मीद थी कि वे अपनी बड़ी सेना के कारण जल्द ही लड़ाई जीत लेंगे।
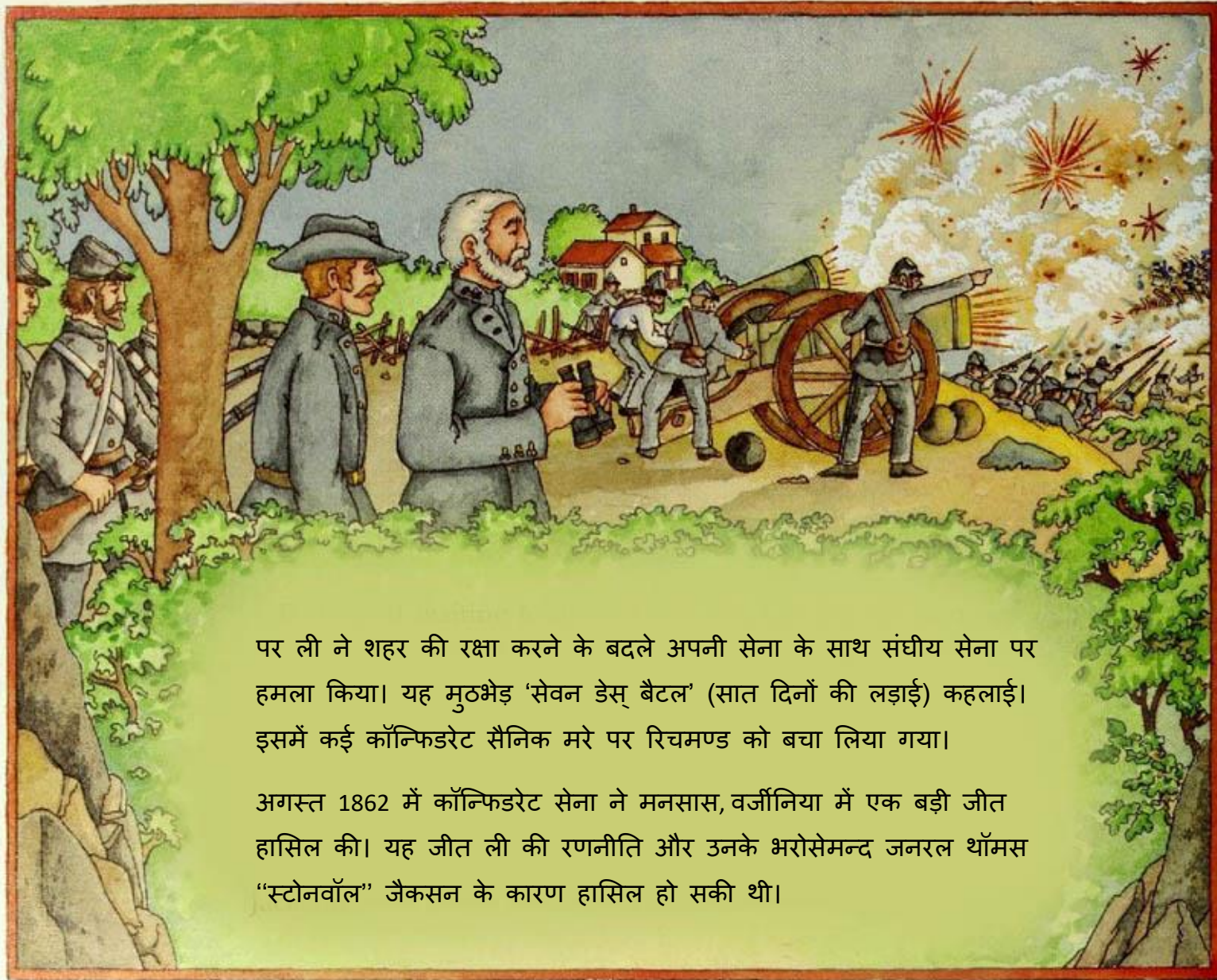
पर ली ने शहर की रक्षा करने के बदले अपनी सेना के साथ संघीय सेना पर हमला किया। यह मुठभेड़ 'सेवन डेस् बैटल' (सात दिनों की लड़ाई) कहलाई। इसमें कई कॉन्फिडरेट सैनिक मरे पर रिचमण्ड को बचा लिया गया।

अगस्त 1862 में कॉन्फिडरेट सेना ने मनसास, वर्जीनिया में एक बड़ी जीत हासिल की। यह जीत ली की रणनीति और उनके भरोसेमन्द जनरल थॉमस "स्टोनवॉल" जैकसन के कारण हासिल हो सकी थी।
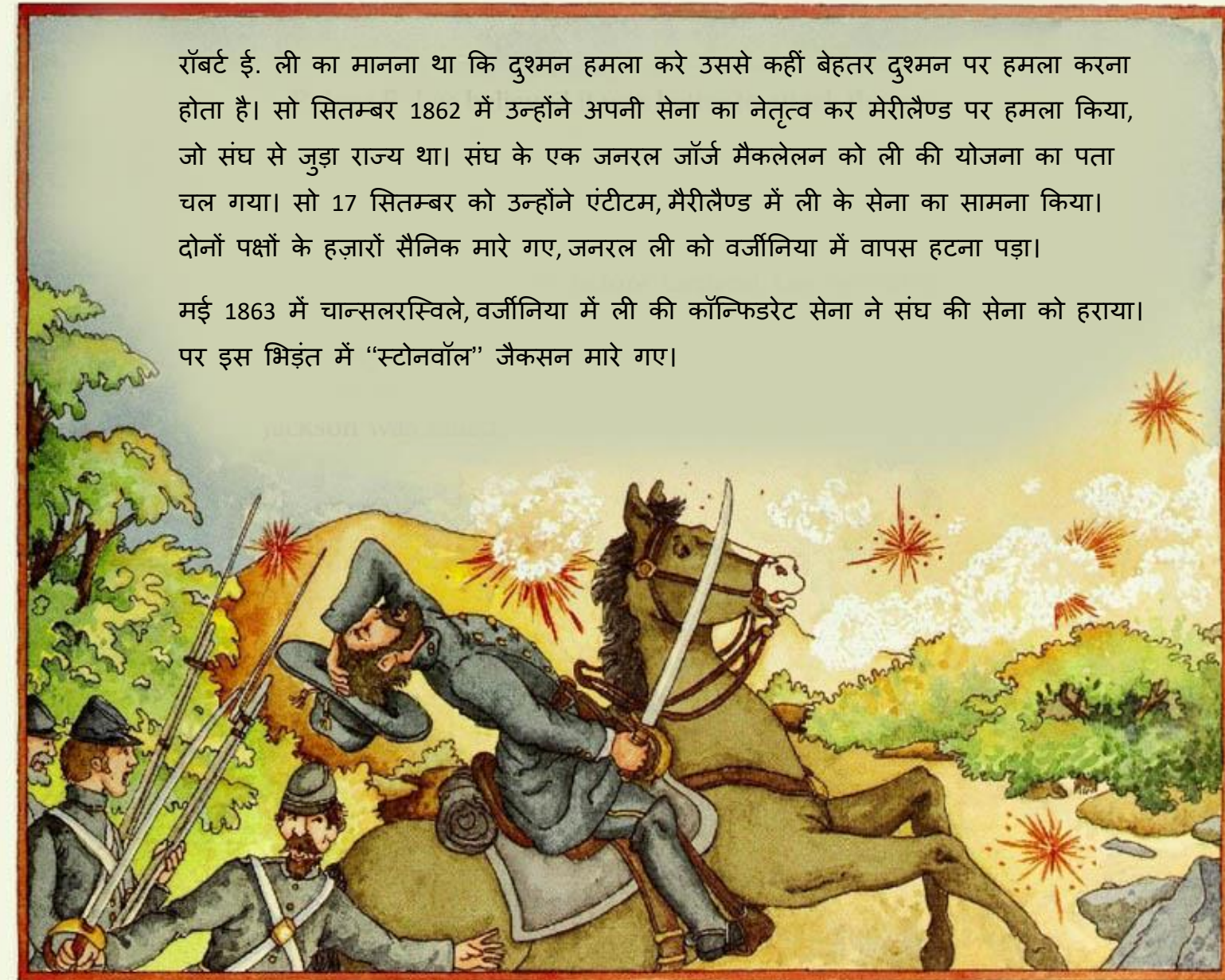
रॉबर्ट ई. ली का मानना था कि दुश्मन हमला करे उससे कहीं बेहतर दुश्मन पर हमला करना होता है। सो सितम्बर 1862 में उन्होंने अपनी सेना का नेतृत्व कर मेरीलैण्ड पर हमला किया, जो संघ से जुड़ा राज्य था। संघ के एक जनरल जॉर्ज मैकलेलन को ली की योजना का पता चल गया। सो 17 सितम्बर को उन्होंने एंटीटम, मैरीलैण्ड में ली के सेना का सामना किया। दोनों पक्षों के हज़ारों सैनिक मारे गए, जनरल ली को वर्जीनिया में वापस हटना पड़ा।

मई 1863 में चान्सलरस्विले, वर्जीनिया में ली की कॉन्फिडरेट सेना ने संघ की सेना को हराया। पर इस भिड़ंत में "स्टोनवॉल" जैकसन मारे गए।

जून 1863 में ली ने फिर से संघ की भूमि पर अपनी सेना का नेतृत्व किया, इस बार पैन्सिलवेनिया पर। गैटिसबर्ग में हुई इस लड़ाई में जुलाई के पहले तीन दिनों में दोनों ओर के 40,000 से अधिक सैनिक या तो मारे गए, या घायल हुए, या फिर बन्दी बना लिए गए। ली की सेना लड़ने में असमर्थ हो गई और वापस वर्जीनिया लौटने पर मजबूर हुई।

गैटिसबर्ग की लड़ाई गृह युद्ध का नया मोड़ सिद्ध हुई। क्योंकि इसके बाद ली के पास इतने सैनिक ही नहीं थे कि वे कोई बड़ा हमला कर सकें।
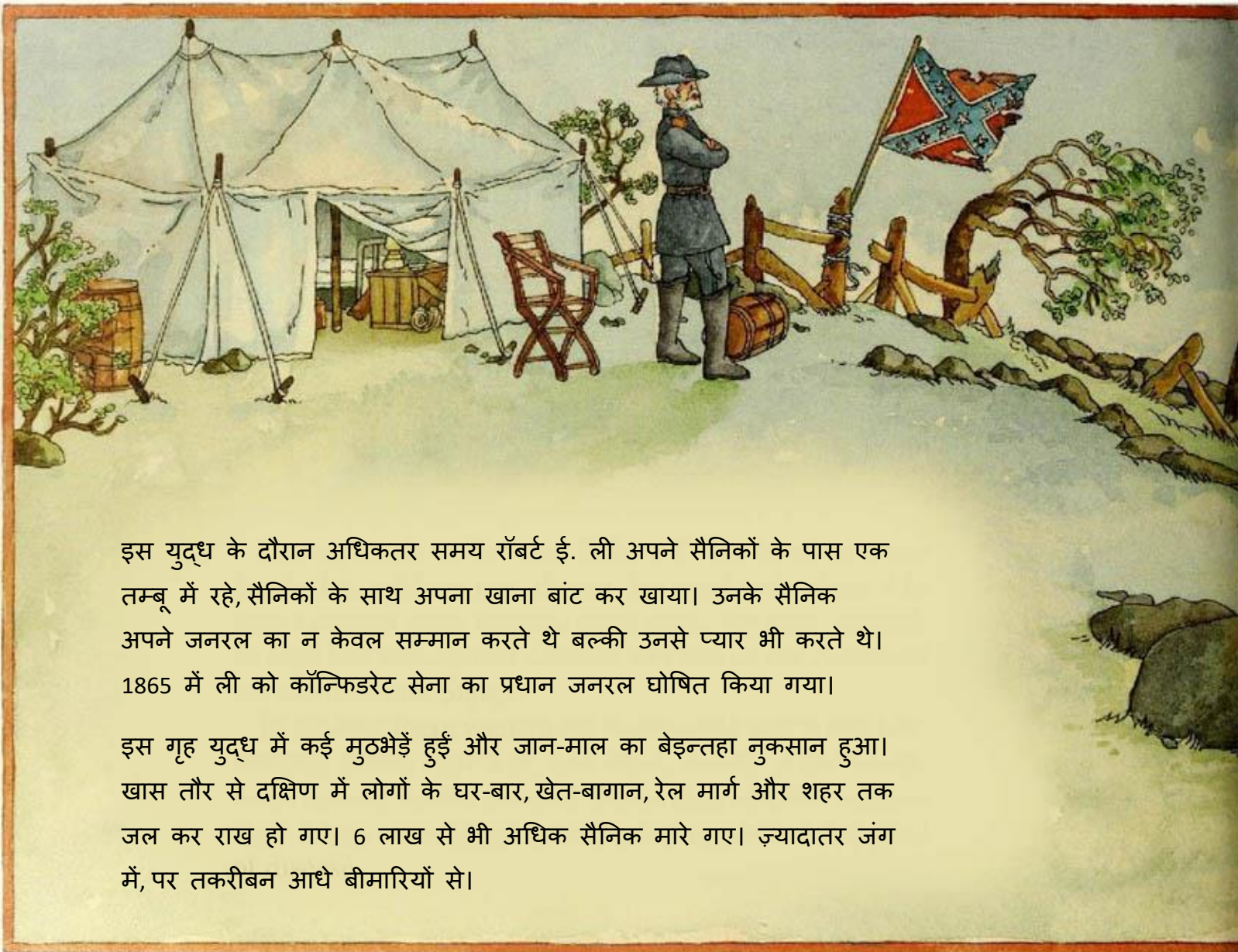
इस युद्ध के दौरान अधिकतर समय रॉबर्ट ई. ली अपने सैनिकों के पास एक तम्बू में रहे, सैनिकों के साथ अपना खाना बांट कर खाया। उनके सैनिक अपने जनरल का न केवल सम्मान करते थे बल्की उनसे प्यार भी करते थे। 1865 में ली को कॉन्फिडरेट सेना का प्रधान जनरल घोषित किया गया।

इस गृह युद्ध में कई मुठभेड़ें हुई और जान-माल का बेइन्तहा नुकसान हुआ। खास तौर से दक्षिण में लोगों के घर-बार, खेत-बागान, रेल मार्ग और शहर तक जल कर राख हो गए। 6 लाख से भी अधिक सैनिक मारे गए। ज़्यादातर जंग में, पर तकरीबन आधे बीमारियों से।
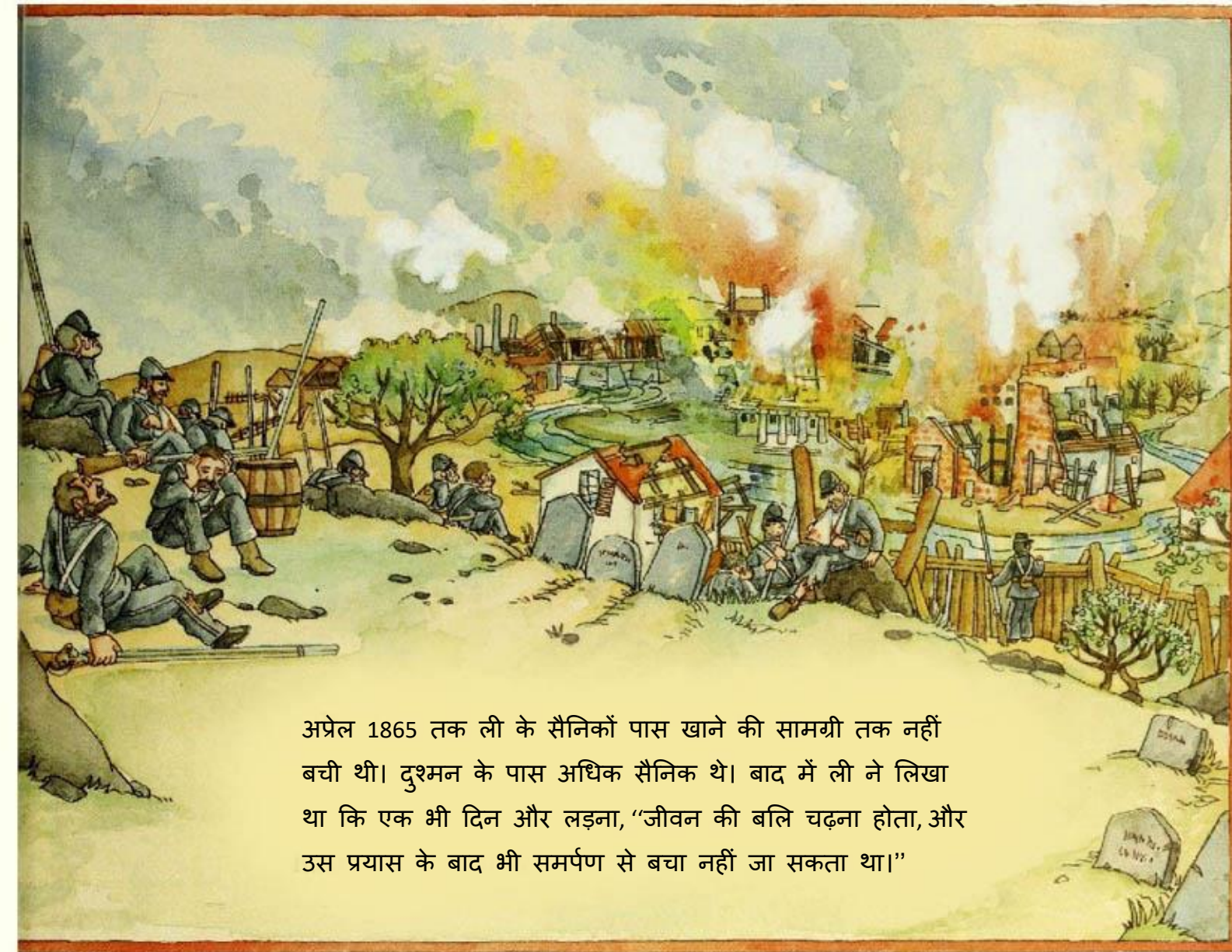
अप्रेल 1865 तक ली के सैनिकों पास खाने की सामग्री तक नहीं बची थी। दुश्मन के पास अधिक सैनिक थे। बाद में ली ने लिखा था कि एक भी दिन और लड़ना, "जीवन की बलि चढ़ना होता, और उस प्रयास के बाद भी समर्पण से बचा नहीं जा सकता था।"

9 अप्रेल 1865 को वर्जीनिया के एपोमैटॉक्स अदालत-घर में वर्जीनिया के जनरल ली ने संघ के जनरल युलिसेस एस. ग्रान्ट के समक्ष समर्पण किया।

जब समर्पण करने के बाद रॉबर्ट अपने सैनिकों के पास लौटे, उन्होंने कहा, "साथियों, हम युद्ध के दौरान साथ-साथ लड़े। मैंने आपके लिए जो सबसे अच्छा हो सकता था किया। मेरा दिल इस कदर भरा है कि मैं और कुछ कह नहीं सकता।"

ली अपने परिवार के पास लौटे। उनके बेटे रॉबर्ट, जूनियर ने बाद में लिखा कि उसके "पिता इस युद्ध के बाद अत्यधिक वृद्ध, सफ़ेद बालों वाले, चुप्पे और अंर्तमुखी हो गए थे। वे जंग के अलावा किसी अन्य विषय पर ही बात करते थे।"

रॉबर्ट ई. ली ने अपने सैनिकों और दक्षिण के लोगों के सामने एक उदाहरण पेश करने की कोशिश की, ताकि वे अपनी हार को स्वीकारें और बिना कड़वाहट के फिर से अपने काम में जुटें।

अक्तूबर 1865 में रॉबर्ट ई. ली को लैक्सिंगटन, वर्जीनिया के वाशिंगटन कॉलेज का अध्यक्ष बनाया गया। कॉलेज परिसर में अपने घर में 12 अक्तूबर 1870 को उनकी मृत्यु हुई।

रॉबर्ट साहसी, बुद्धिमान और सदय व्यक्ति थे। एक महान जनरल और नेता भी।

देश भर में लोगों ने उनकी मृत्यु का शोक मनाया। न्यू यॉर्क हैराल्ड ने, जो उत्तर का एक अख़बार था लिखा, "रॉबर्ट ई. ली अमरीकी थे ... शालीन ... अपने मित्रों और अपने सैनिकों के आदर्श।"

लेखक की टिप्पणियाँ

रॉबर्ट ई. ली के पिता को 'लाइट-हॉर्स' हैरी कहा जाता था, क्योंकि वे ब्रिटिशों के विरुद्ध क्रांति युद्ध के दौरान घोड़े की सवारी करते हुए तेज़ छापामारी के लिए मशहूर थे।

'लाइट-हॉर्स' हैरी ने दो विवाह किए थे। उनकी पहली पत्नी मटिल्डा उनकी रिश्तेदार थीं, जिन्हें विरासत में अपने दादा का घर स्ट्रैटफोर्ड मिला था। उन्होंने 1790 में उनकी मृत्यु के बाद यह मकान 'लाइट-हॉर्स' हैरी के बेटे हैनरी के नाम छोड़ा था। हैनरी 1808 में इक्कीस वर्ष का हुआ, उसने 1810 में मकान पर दावा किया।

हार्पर्स् फैरी 1859 में वर्जीनिया का हिस्सा था। पर आज यह पश्चिमी वर्जीनिया में है, जो 1863 में एक अलग राज्य बना।

जनरल 'स्टोनवॉल' जैकसन ने एक बार कहा था, "मेरा रॉबर्ट ई. ली पर इतना भरोसा है कि मैं मुंदी आँखों भी उनके पीछे जा सकता हूँ।" उन्होंने यह भी कहा था कि अगर मुझसे पूछा जाए कि किसी महत्वपूर्ण लड़ाई में सेना का नेतृत्व कौन करे तो, "मैं मरते दम तक यही कहूँगा कि रॉबर्ट ई. ली ही नेतृत्व करें।"

वाशिंगटन कॉलेज अब वाशिंगटन व ली विश्वविद्यालय कहलाता है।
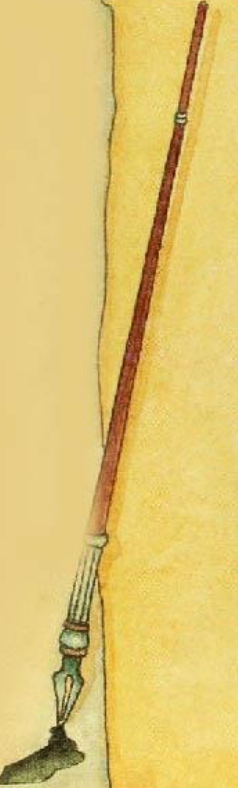
महत्वपूर्ण तिथियाँ

1807 - 19, जनवरी को वैस्टमोरलैण्ड काउंटी, वर्जीनिया में जन्म।

1818 - पिता हैनरी ली की मृत्यु।

1825 - संयुक्त राज्य सैन्य अकादमी, वैस्ट पॉइंट में प्रवेश।

1829 - संयुक्त राज्य सैन्य अकादमी में प्रशिक्षण पूरा किया। माँ एन हिल कार्टर ली की मृत्यु।

1831 - 30 जून को मेरी एन रैन्डॉल्फ कस्टिस से विवाह।

1846-1848 - मैक्सिको के साथ युद्ध में सेवाएं दीं।

1852-1855 - वैस्ट पॉइंट अकादमी के अधीक्षक के रूप में सेवाएं दीं।

1859 - हार्पर्स् फैरी में जॉन ब्राउन को गिरफ्तार किया।

1861 - संघीय सेना से त्यागपत्र दे कॉन्फिडरेट सेना से जुड़े।

1861-1865 - गृह यद्ध।

1865 - फरवरी में कॉन्फिडरेट सेना के प्रधान सेनापति घोषित।

1865 - 9 अप्रैल को एपौमेटाक्स अदालत-घर, वर्जीनिया में जनरल यूलिसेस एस. ग्रान्ट के समक्ष समर्पण।

1865-1870 - वाशिंगटन कॉलेज के अध्यक्ष बने।

1870 - 12 अक्तूबर को लैक्सिंगटन, वर्जीनिया में मृत्यु।